Hindu calendar in Hindu published by Ashram .

org

फरवरी माघ-फाल्गुन २०७७

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
हरिद्वार कुम्भ स्नान : ११, १६ व २७ फरवरी	१ 1 माघ कृ.प. चतुर्थी	२ 2 पंचमी	३ 3 षष्ठी	४ 4 सप्तमी	५ 5 अष्टमी	६ 6 नवमी/दशमी
७ 7 षट्तिला एकादशी	८ 8 षट्तिला एकादशी, द्वादशी	९ 9 त्रयोदशी, भौमप्रदोष व्रत	१० 10 चतुर्दशी, मासिक शिवरात्रि	११ 11 अमावस्या	१२ 12 माघ शु.प. प्रतिपदा, विष्णुपदी संक्रांति	१३ 13 द्वितीया
१४ 14 तृतीया	१५ 15 विनायक चतुर्थी	१६ 16 वसंत पंचमी, सरस्वती पूजा	१७ 17 षष्ठी (वृद्धि तिथि)	१८ 18 षष्ठी	१९ 19 सप्तमी, भीष्म अष्टमी	२० 20 अष्टमी
२१ 21 नवमी	२२ 22 दशमी	२३ 23 जया एकादशी	२४ 24 द्वादशी, प्रदोष व्रत	२५ 25 त्रयोदशी	२६ 26 चतुर्दशी, पूर्णिमा	२७ 27 माघी पूर्णिमा
२८ 28 फाल्गुन कृ.प. प्रतिपदा	• मातृ-पितृ पूजन दिवस : १४ फरवरी • शिशिर ऋतु : १७ फरवरी तक • वसंत ऋतु : १८ फरवरी से १८ अप्रैल तक • विष्णुपदी संक्रांति में किये गये ध्यान, जप व पुण्यकर्म का फल लाख गुना होता है। (पद्म पुराण)					

फरवरी : ४. स्वामी रामानंदाचार्य जयंती १२. विष्णुपदी संक्रांति (पुण्यकाल : : दोपहर १२-५३ से सूर्यास्त) १४. मातृ-पितृ पूजन दिवस १९. छत्रपति शिवाजी जयंती (दि.अ.) २५. गुरुपुष्यामृत योग (सूर्योदय से दोपहर १-१७ तक) २७. माघ स्नान समाप्त, संत रविदासजी जयंती २८. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

मार्च फाल्गुन-चैत्र २०७७

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
हरिद्वार कुम्भ पहला शाही स्नान : ११ मार्च	१ 1 फाल्गुन कृ.प. द्वितीया/तृतीया	२ 2 मंगलवारी चतुर्थी, संकष्ट चतुर्थी	३ 3 पंचमी	४ 4 षष्ठी	५ 5 सप्तमी	६ 6 अष्टमी
७ 7 नवमी	८ 8 दशमी	९ 9 विजया एकादशी	१० 10 द्वादशी, प्रदोष व्रत	११ 11 त्रयोदशी, महाशिवरात्रि	१२ 12 चतुर्दशी	१३ 13 अमावस्या
१४ 14 फाल्गुन शु.प. प्रतिपदा, षडशीति संक्रांति	१५ 15 द्वितीया	१६ 16 तृतीया	१७ 17 विनायक चतुर्थी	१८ 18 पंचमी	१९ 19 षष्ठी	२० 20 सप्तमी (वृद्धि तिथि)
२१ 21 रविवारी सप्तमी	२२ 22 अष्टमी	२३ 23 नवमी	२४ 24 दशमी	२५ 25 आमलकी एकादशी	२६ 26 द्वादशी/त्रयोदशी, प्रदोष व्रत	२७ 27 चतुर्दशी
२८ 28 होली पूर्णिमा	२९ 29 चैत्र कृ.प. प्रतिपदा, धुलेंडी	३० 30 द्वितीया	३१ 31 तृतीया, संकष्ट चतुर्थी	महाशिवरात्रि को रात्रि-जागरण व 'ॐ... नमः... शिवाय...' ऐसे प्लुत उच्चारण से आत्मविश्रांति मिलती है।		

मार्च : २. अंगारकी-मंगलवारी चतुर्थी (सूर्योदय से ३ मार्च प्रातः ३-०० तक) ७. समर्थ रामदासजी नवमी ८. विश्व महिला दिवस ११. महाशिवरात्रि व्रत, रात्रि-जागरण, शिव-पूजन (निशीथकाल : रात्रि १२-२४ से १-१३) (प्रहर :- प्रथम : शाम ६-४६ से, द्वितीय : रात्रि ९-४७ से, तृतीय : मध्यरात्रि १२-४८ से, चतुर्थ : १२ मार्च प्रातः ३-४९ से) १३. द्वापर युगादि तिथि १४. षडशीति संक्रांति (पुण्यकाल : दोपहर ११-३९ से शाम ६-०४) २१. रविवारी सप्तमी (सुबह ६-४५ से सुबह ७-११) २८. होलिका दहन, श्री चैतन्य महाप्रभु जयंती २९. धुलेंडी ३०. संत तुकारामजी द्वितीया ३१. छत्रपति शिवाजी जयंती (ति.अ.)

अप्रैल चैत्र-वैशाख २०७७-७८

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
हरिद्वार कुम्भ का दूसरा शाही स्नान १२ अप्रैल को एवं तीसरा (मुख्य) शाही स्नान १४ अप्रैल को तथा चौथा शाही स्नान २७ अप्रैल को है एवं अन्य स्नान १३ व २१ अप्रैल को हैं।				१ 1 चैत्र कृ.प. चतुर्थी	२ 2 पंचमी/षष्ठी	३ 3 सप्तमी
४ 4 अष्टमी	५ 5 नवमी	६ 6 दशमी	७ 7 पापमोचनी एकादशी	८ 8 द्वादशी	९ 9 त्रयोदशी, प्रदोष व्रत	१० 10 चतुर्दशी, मासिक शिवरात्रि
११ 11 अमावस्या (वृद्धि तिथि)	१२ 12 सोमवती अमावस्या	१३ 13 चैत्र शु.प. प्रतिपदा	१४ 14 द्वितीया, संक्रांति	१५ 15 तृतीया, मत्स्य जयंती	१६ 16 विनायक चतुर्थी	१७ 17 पंचमी
१८ 18 स्कंद षष्ठी	१९ 19 सप्तमी	२० 20 दुर्गाष्टमी	२१ 21 श्रीराम नवमी	२२ 22 दशमी	२३ 23 कामदा एकादशी	२४ 24 द्वादशी, शनिप्रदोष व्रत
२५ 25 अनंग त्रयोदशी	२६ 26 चतुर्दशी, पूर्णिमा	२७ 27 चैत्री पूर्णिमा/ वैशाख कृ.प. प्रतिपदा	२८ 28 द्वितीया	२९ 29 तृतीया	३० 30 संकष्ट चतुर्थी	ग्रीष्म ऋतु : १९ अप्रैल से २० जून तक

अप्रैल : २. संत एकनाथजी षष्ठी, गुड फ्राइडे ६. साँईं श्री लीलाशाहजी महाराज का प्राकट्य दिवस १२. सोमवती अमावस्या (सूर्योदय से सुबह ८-०१ तक) १३. चैत्री नूतन वर्ष वि.सं. २०७८ प्रारम्भ, चेटीचंड, गुडी पड़वा (पूरा दिन शुभ मुहूर्त), चैत्री नवरात्र प्रारम्भ १४. संक्रांति (पुण्यकाल : सूर्योदय से दोपहर १२-४० तक), डॉ. आंबेडकर जयंती २१. श्रीराम नवमी २५. महावीर स्वामी जयंती २७. श्री हनुमान जयंती, वैशाख स्नानारम्भ, छत्रपति शिवाजी पुण्यतिथि

मई वैशाख-ज्येष्ठ २०७८

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
३० 30 पंचमी	३१ 31 षष्ठी	• पूज्य संत श्री आशारामजी बापू का अवतरण दिवस : २ मई • त्रिस्पृशा एकादशी के दिन उपवास करने से १००० एकादशी व्रतों का फल प्राप्त होता है। (पद्म पुराण)				१ 1 वैशाख कृ.प. पंचमी
२ 2 षष्ठी, रविवारी सप्तमी	३ 3 सप्तमी	४ 4 अष्टमी	५ 5 नवमी	६ 6 दशमी	७ 7 वरूथिनी एकादशी	८ 8 द्वादशी
९ 9 त्रयोदशी, प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि	१० 10 चतुर्दशी	११ 11 अमावस्या	१२ 12 वैशाख शु.प. प्रतिपदा	१३ 13 द्वितीया	१४ 14 अक्षय तृतीया (नृ.ति.), विष्णुपदी संक्रांति	१५ 15 तृतीया, विनायक चतुर्थी
१६ 16 चतुर्थी	१७ 17 पंचमी	१८ 18 षष्ठी, गंगा सप्तमी	१९ 19 सप्तमी, बुधवारी अष्टमी	२० 20 अष्टमी, सीता नवमी	२१ 21 नवमी	२२ 22 दशमी, मोहिनी एकादशी
२३ 23 त्रिस्पृशा-मोहिनी एकादशी/द्वादशी	२४ 24 त्रयोदशी, सोमप्रदोष व्रत	२५ 25 चतुर्दशी	२६ 26 वैशाखी-बुद्ध पूर्णिमा	२७ 27 ज्येष्ठ कृ.प. प्रतिपदा	२८ 28 द्वितीया	२९ 29 तृतीया/ संकष्ट चतुर्थी

मई : २. पूज्य संत श्री आशारामजी बापू का अवतरण दिवस, रविवारी सप्तमी (दोपहर २-५१ से ३ मई सूर्योदय) ७. श्री वल्लभाचार्य जयंती १४. अक्षय तृतीया (पूरा दिन शुभ मुहूर्त), श्री परशुराम जयंती, विष्णुपदी संक्रांति (पुण्यकाल : दोपहर १२-३५ से सूर्यास्त), रमजान ईद १७. आद्य शंकराचार्य जयंती १८. गंगा जयंती १९. बुधवारी अष्टमी (दोपहर १२-५१ से २० मई सूर्योदय) २५. श्रीनृसिंह जयंती, आद्य शंकराचार्य कैलास-गमन २६. वैशाख स्नान समाप्त, कूर्म जयंती, चन्द्रग्रहण (भारत में कुछ पूर्वी क्षेत्रों में खंडग्रास दिखेगा, वहीं नियम पालनीय। ग्रहण-समयों हेतु लिंक) २७. देवर्षि नारदजी जयंती

जून ज्येष्ठ-आषाढ़ २०७८

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
रविपुष्यामृत योग मंत्रसिद्धि और औषधि-प्रयोग के लिए विशेष फलप्रद है।		१ 1 ज्येष्ठ कृ.प. सप्तमी	२ 2 बुधवारी अष्टमी	३ 3 नवमी	४ 4 दशमी	५ 5 एकादशी (वृद्धि तिथि)
६ 6 अपरा एकादशी	७ 7 द्वादशी, सोमप्रदोष व्रत	८ 8 त्रयोदशी, मासिक शिवरात्रि	९ 9 चतुर्दशी	१० 10 अमावस्या	११ 11 ज्येष्ठ शु.प. प्रतिपदा	१२ 12 द्वितीया
१३ 13 तृतीया	१४ 14 विनायक चतुर्थी	१५ 15 पंचमी, षडशीति संक्रांति	१६ 16 स्कंद षष्ठी	१७ 17 सप्तमी	१८ 18 अष्टमी	१९ 19 नवमी
२० 20 दशमी	२१ 21 निर्जला एकादशी	२२ 22 द्वादशी, भौमप्रदोष व्रत	२३ 23 त्रयोदशी/ चतुर्दशी	२४ 24 वट पूर्णिमा, ज्येष्ठ पूर्णिमा	२५ 25 आषाढ़ कृ.प. प्रतिपदा	२६ 26 द्वितीया
२७ 27 तृतीया, संकष्ट चतुर्थी	२८ 28 चतुर्थी	२९ 29 पंचमी	३० 30 षष्ठी	• षडशीति संक्रांति में किये गये ध्यान, जप व पुण्यकर्म का फल ८६००० गुना होता है। (पद्म पुराण) • वर्षा ऋतु : २१ जून से २१ अगस्त		

जून : २. बुधवारी अष्टमी (सूर्योदय से रात्रि १-१३) ५. विश्व पर्यावरण दिवस ७. वटसावित्री व्रत (अमावस्यांत, त्रिदिवसीय) ९. वटसावित्री व्रत (एक दिवसीय) ११. गंगा दशहरा प्रारम्भ १३. महाराणा प्रताप व छत्रसाल जयंती, रविपुष्यामृत योग (रात्रि ७-०१ से १४ जून सूर्योदय) १४. गुरु अर्जुनदेवजी शहीदी दिवस १५. षडशीति संक्रांति (पु.का. : सूर्योदय से दोपहर १२-३९), संत टेऊँरामजी पुण्यतिथि २०. गंगा दशहरा समाप्त २१. गायत्री माता जयंती, दक्षिणायन आरम्भ (पु.का. : सूर्योदय से सुबह ९-०३) २२. वटसावित्री व्रत (पूर्णिमांत, त्रिदिवसीय) २४. संत कबीरजी जयंती, वटसावित्री व्रत (एक दिवसीय) २६. विद्यालाभ योग (गुज.-महा. छोड़कर भारतभर में। मंत्र व विधि कर्मयोग दैनंदिनी में।)

जुलाई आषाढ़-श्रावण २०७८

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
• गुरुपूर्णिमा एवं 'ऋषि प्रसाद' जयंती : २३ जुलाई • गुरुपूर्णिमा के दिन गुरुद्वार पर जाकर गुरु का दर्शन, सत्संग-श्रवण व मानस-पूजन करने से वर्षभर के सभी व्रत-पर्वों का पुण्यफल फलित हो जाता है । • चतुर्मास (साधना हेतु अमृततुल्य काल) : २० जुलाई से १५ नवम्बर तक				१ 1 आषाढ़ कृ.प. सप्तमी	२ 2 अष्टमी	३ 3 नवमी
४ 4 दशमी	५ 5 योगिनी एकादशी	६ 6 द्वादशी	७ 7 त्रयोदशी, प्रदोष व्रत	८ 8 चतुर्दशी, मासिक शिवरात्रि	९ 9 अमावस्या (वृद्धि तिथि)	१० 10 अमावस्या
११ 11 आषाढ़ शु.प. प्रतिपदा	१२ 12 द्वितीया	१३ 13 तृतीया, विनायक-मंगलवारी चतुर्थी	१४ 14 चतुर्थी	१५ 15 पंचमी	१६ 16 षष्ठी/सप्तमी, संक्रांति	१७ 17 अष्टमी
१८ 18 नवमी	१९ 19 दशमी	२० 20 देवशयनी एकादशी	२१ 21 द्वादशी, प्रदोष व्रत	२२ 22 त्रयोदशी	२३ 23 चतुर्दशी, गुरुपूर्णिमा, 'ऋषि प्रसाद' जयंती	२४ 24 गुरुपूर्णिमा/श्रावण कृ.प. प्रतिपदा
२५ 25 द्वितीया	२६ 26 तृतीया	२७ 27 मंगलवारी चतुर्थी, संकष्ट चतुर्थी	२८ 28 पंचमी	२९ 29 षष्ठी	३० 30 सप्तमी	३१ 31 अष्टमी (वृद्धि तिथि)

जुलाई : ८. चतुर्दशी-आर्द्रा नक्षत्र योग (रात्रि ८-५९ से ९ जुलाई प्रातः ५-१७ तक) (ॐकार-जप अक्षय फलदायी) ११. रविपुष्यामृत योग (सूर्योदय से रात्रि २-२२) १२. जगन्नाथ रथयात्रा १३. मंगलवारी चतुर्थी (सुबह ८-२५ से १४ जुलाई सूर्योदय तक) १५. संत टेऊँरामजी जयंती १६. संक्रांति (पुण्यकाल : सूर्योदय से शाम ४-५५ तक) २०. चतुर्मास व्रतारम्भ २१. बकरी ईद २३. गुरुपूर्णिमा, विद्यालाभ योग (मंत्र व विधि कर्मयोग दैनंदिनी में), संन्यासी चतुर्मासारम्भ, पूर्णिमांत श्रावण मासारम्भ, ऋषि प्रसाद जयंती २४. गुरुपूर्णिमा, अमरनाथ यात्रा प्रारम्भ २७. अंगारकी-मंगलवारी चतुर्थी (सूर्योदय से रात्रि २-२९ तक)

अगस्त श्रावण-भाद्रपद २०७८

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
१ 1 श्रावण कृ.प. अष्टमी	२ 2 नवमी	३ 3 दशमी	४ 4 कामिका एकादशी	५ 5 द्वादशी, प्रदोष व्रत	६ 6 त्रयोदशी, मासिक शिवरात्रि	७ 7 चतुर्दशी
८ 8 अमावस्या	९ 9 श्रावण शु.प. प्रतिपदा	१० 10 द्वितीया	११ 11 तृतीया	१२ 12 विनायक चतुर्थी	१३ 13 नाग पंचमी	१४ 14 षष्ठी
१५ 15 रविवारी सप्तमी	१६ 16 अष्टमी/नवमी	१७ 17 दशमी, विष्णुपदी संक्रांति	१८ 18 पुत्रदा-पवित्रा एकादशी	१९ 19 द्वादशी	२० 20 त्रयोदशी, प्रदोष व्रत	२१ 21 चतुर्दशी, पूर्णिमा
२२ 22 राखी-श्रावणी पूर्णिमा	२३ 23 भाद्रपद कृ.प. प्रतिपदा	२४ 24 द्वितीया	२५ 25 तृतीया, संकष्ट चतुर्थी	२६ 26 चतुर्थी	२७ 27 पंचमी	२८ 28 षष्ठी
२९ 29 रविवारी सप्तमी	३० 30 जन्माष्टमी	३१ 31 नवमी				

- रक्षाबंधन पर्व पर धारण किया हुआ रक्षासूत्र सम्पूर्ण रोगों तथा अशुभ कार्यों का विनाशक है। (भविष्य पुराण)
- जन्माष्टमी का व्रत रखनेवाले को करोड़ों एकादशी व्रत करने का पुण्य प्राप्त होता है। - भगवान ब्रह्माजी
- शरद ऋतु : २२ अगस्त से २२ अक्टूबर तक

अगस्त : १. लोकमान्य तिलक पुण्यतिथि ९. अमावस्यांत श्रावण मासारम्भ, 'अंग्रेजो ! भारत छोड़ो' आंदोलन दिवस १३. नाग पंचमी १५. संत तुलसीदासजी जयंती, रविवारी सप्तमी (सूर्योदय से सुबह ९-५२ तक), स्वतंत्रता दिवस १६. पतेती १७. विष्णुपदी संक्रांति (पुण्यकाल : सूर्योदय से दोपहर १२-४६ तक) १९. मोहर्रम (ताजिया) २२. श्रावणी पूर्णिमा, रक्षाबंधन, हयग्रीव जयंती, संस्कृत दिवस, श्रावणी उपाकर्म, अमरनाथ यात्रा समाप्त २९. रविवारी सप्तमी (सूर्योदय से रात्रि ११-२६ तक) ३०. जन्माष्टमी

सितम्बर भाद्रपद-आश्विन २०७८

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
• गणेश चतुर्थी : १० सितम्बर (चन्द्र-दर्शन निषिद्ध, चन्द्रास्त : रात्रि ९-२०) • श्राद्ध करने से दीर्घायु, लक्ष्मी व पुत्र-पौत्र की प्राप्ति होती है।			१ 1 भाद्रपद कृ.प. दशमी	२ 2 एकादशी (वृद्धि तिथि)	३ 3 अजा एकादशी	४ 4 द्वादशी, शनिप्रदोष व्रत
५ 5 त्रयोदशी, मासिक शिवरात्रि	६ 6 चतुर्दशी/सोमवती अमावस्या	७ 7 भाद्रपद शु.प. प्रतिपदा	८ 8 द्वितीया	९ 9 तृतीया	१० 10 गणेश चतुर्थी, विनायक चतुर्थी	११ 11 ऋषि पंचमी
१२ 12 षष्ठी, रविवारी सप्तमी	१३ 13 सप्तमी	१४ 14 राधाष्टमी	१५ 15 नवमी	१६ 16 दशमी	१७ 17 पद्मा-परिवर्तिनी एकादशी, षडशीति संक्रांति	१८ 18 द्वादशी/त्रयोदशी, शनिप्रदोष व्रत
१९ 19 अनंत चतुर्दशी	२० 20 भाद्रपदी पूर्णिमा, प्रोष्ठपदी पूर्णिमा का श्राद्ध	२१ 21 आश्विन कृ.प. प्रतिपदा का श्राद्ध	२२ 22 द्वितीया (वृद्धि तिथि), द्वितीया का श्राद्ध	२३ 23 द्वितीया, तृतीया का श्राद्ध	२४ 24 तृतीया, संकष्ट चतुर्थी, चतुर्थी का श्राद्ध	२५ 25 चतुर्थी, पंचमी का श्राद्ध
२६ 26 पंचमी, षष्ठी का श्राद्ध	२७ 27 षष्ठी	२८ 28 सप्तमी का श्राद्ध	२९ 29 बुधवारी अष्टमी, अष्टमी का श्राद्ध	३० 30 नवमी का श्राद्ध	सोमवती अमावस्या के दिन तुलसी की १०८ परिक्रमा करने से दरिद्रता मिटती है।	

सितम्बर : ५. शिक्षक दिवस ६. सोमवती अमावस्या (सुबह ७-३९ से ७ सितम्बर सुबह ६-२२ तक) ९. हरितालिका तीज, वराह जयंती १०. गणेश चतुर्थी (चन्द्र-दर्शन निषिद्ध, चन्द्रास्त : रात्रि ९-२०), गणेश महोत्सव प्रारम्भ ११. ऋषि पंचमी १२. रविवारी सप्तमी (शाम ५-२२ से १३ सितम्बर सूर्योदय तक) १४. राष्ट्रभाषा दिवस १७. वामन जयंती, षडशीति संक्रांति (पुण्यकाल : सूर्योदय से दोपहर १२-३४ तक) १९. अनंत चतुर्दशी, गणेश महोत्सव समाप्त २०. महालय श्राद्धारम्भ २९. बुधवारी अष्टमी (सूर्योदय से रात्रि ८-३० तक) ३०. गुरुपुष्यामृत योग [रात्रि १-३३ (अर्थात् १ अक्टूबर १-३३ AM) से १ अक्टूबर सूर्योदय तक]

अक्टूबर आश्विन-कार्तिक २०७८

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
३१ 31 दशमी	• पूज्य संत श्री आशारामजी बापू का ५८वाँ आत्मसाक्षात्कार दिवस : ७ अक्टूबर • गुरुपुष्यामृत योग सर्वसिद्धिकर है। विवाह छोड़कर अन्य मांगलिक कार्यों के लिए यह महाफलदायी है। • हेमंत ऋतु : २३ अक्टूबर से २० दिसम्बर तक				१ 1 आश्विन कृ.प. दशमी का श्राद्ध	२ 2 इंदिरा एकादशी का श्राद्ध
३ 3 द्वादशी का श्राद्ध	४ 4 त्रयोदशी का श्राद्ध, सोम-प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि	५ 5 चतुर्दशी	६ 6 चतुर्दशी-सर्वपित्री अमावस्या का श्राद्ध	७ 7 आश्विन शु.प. प्रतिपदा, द्वितीया	८ 8 द्वितीया	९ 9 तृतीया/ विनायक चतुर्थी
१० 10 पंचमी	११ 11 षष्ठी	१२ 12 सप्तमी	१३ 13 बुधवारी अष्टमी, महाष्टमी, दुर्गाष्टमी	१४ 14 महानवमी	१५ 15 विजयादशमी, दशहरा	१६ 16 पापांकुशा एकादशी
१७ 17 द्वादशी, प्रदोष व्रत, संक्रांति	१८ 18 त्रयोदशी	१९ 19 चतुर्दशी, शरद पूर्णिमा	२० 20 शरद पूर्णिमा, कार्तिक व्रतारम्भ	२१ 21 कार्तिक कृ.प. प्रतिपदा	२२ 22 द्वितीया	२३ 23 तृतीया
२४ 24 संकष्ट चतुर्थी, करवा चौथ	२५ 25 पंचमी (वृद्धि तिथि)	२६ 26 पंचमी	२७ 27 षष्ठी	२८ 28 सप्तमी	२९ 29 अष्टमी	३० 30 नवमी

अक्टूबर : २. महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री जयंती ५. आग-दुर्घटना-अस्त्र-शस्त्र-अपमृत्यु से मृतक का श्राद्ध ६. सर्वपित्री अमावस्या का श्राद्ध ७. पूज्य संत श्री आशारामजी बापू का ५८वाँ आत्मसाक्षात्कार दिवस, शारदीय नवरात्र प्रारम्भ १३. महाष्टमी, बुधवारी अष्टमी (सूर्योदय से रात्रि ८-०८ तक) १५. विजयादशमी (पूरा दिन शुभ मुहूर्त), दशहरा १७. संक्रांति (पुण्यकाल : सुबह ७-१३ से सूर्यास्त तक) १९. शरद पूर्णिमा (खीर चन्द्रकिरणों में रखें), ईद-ए-मिलाद २०. शरद पूर्णिमा (व्रत), कार्तिक स्नानारम्भ २८. गुरुपुष्यामृत योग (सुबह ९-४२ से २९ अक्टूबर सूर्योदय तक) ३१. सरदार पटेल जयंती

नवम्बर कार्तिक-मार्गशीर्ष २०७८

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
	१ 1 कार्तिक कृ.प. रमा एकादशी	२ 2 द्वादशी, धनतेरस, भौमप्रदोष व्रत	३ 3 त्रयोदशी/नरक चतुर्दशी, मासिक शिवरात्रि	४ 4 अमावस्या, दीपावली	५ 5 कार्तिक शु.प. प्रतिपदा	६ 6 भाईदूज
७ 7 तृतीया	८ 8 विनायक चतुर्थी	९ 9 लाभ पंचमी	१० 10 षष्ठी/सप्तमी	११ 11 गोपाष्टमी	१२ 12 आँवला नवमी	१३ 13 दशमी
१४ 14 देवउठी एकादशी	१५ 15 देवउठी एकादशी, द्वादशी (वृद्धि तिथि)	१६ 16 द्वादशी, भौमप्रदोष व्रत, विष्णुपदी संक्रांति	१७ 17 त्रयोदशी	१८ 18 चतुर्दशी, त्रिपुरारि पूर्णिमा	१९ 19 कार्तिकी पूर्णिमा	२० 20 मार्गशीर्ष कृ.प. प्रतिपदा
२१ 21 द्वितीया	२२ 22 तृतीया	२३ 23 मंगलवारी चतुर्थी, संकष्ट चतुर्थी	२४ 24 पंचमी	२५ 25 षष्ठी	२६ 26 सप्तमी	२७ 27 अष्टमी
२८ 28 नवमी	२९ 29 दशमी	३० 30 उत्पत्ति एकादशी	गोपाष्टमी के दिन प्रातः गायों को स्नान कराने, उनका पूजन, उन्हें गोग्रास-अर्पण व परिक्रमा करने तथा थोड़ी दूर तक उनके साथ चलने व अपने ललाट पर गोधूलि का तिलक करने से अभीष्ट सिद्धि एवं सौभाग्य की वृद्धि होती है।			

नवम्बर : १. ब्रह्मलीन मातुश्री माँ महँगीबाजी का महानिर्वाण दिवस २. धनतेरस, धन्वंतरि जयंती - आयुर्वेद दिवस ३. नरक चतुर्दशी (रात्रि में मंत्रजप से मंत्रसिद्धि) ४. दीपावली, तैलाभ्यंग स्नान, स्वामी रामतीर्थजी जयंती व पुण्यतिथि ५. वि.सं. २०७८ नूतन वर्षारम्भ (गुज.), कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा (पूरा दिन शुभ मुहूर्त) ६. भाईदूज ९. लाभ पंचमी १२. साँईं श्री लीलाशाहजी महाराज महानिर्वाण दिवस १४. भीष्मपंचक व्रत प्रारम्भ १५. तुलसी विवाह प्रारम्भ १६. विष्णुपदी संक्रांति (पु.का. : सूर्योदय से दोपहर १-०४) १८. भीष्मपंचक व्रत समाप्त १९. गुरु नानकजी जयंती, तुलसी विवाह समाप्त, चन्द्रग्रहण (भारत में अरुणाचल प्रदेश के कुछ भाग में दिखेगा, वहीं नियम पालनीय। ग्रहण-समयों हेतु लिंक :

। २३. अंगारकी-मंगलवारी चतुर्थी (सूर्यो. से रात्रि १२-५६) २४. गुरु तेग बहादुरजी शहीदी दिवस २५. गुरुपुष्यामृत योग (सूर्योदय से शाम ६-५०)

दिसम्बर मार्गशीर्ष-पौष २०७८

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
• शिशिर ऋतु : २१ दिसम्बर से १७ फरवरी २०२२ तक • तुलसी पूजन दिवस : २५ दिसम्बर (पढ़ें पुस्तक 'तुलसी रहस्य')			१ 1 मार्गशीर्ष कृ.प. द्वादशी	२ 2 त्रयोदशी, प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि	३ 3 चतुर्दशी	४ 4 अमावस्या
५ 5 मार्गशीर्ष शु.प. प्रतिपदा/द्वितीया	६ 6 तृतीया	७ 7 मंगलवारी चतुर्थी, विनायक चतुर्थी	८ 8 पंचमी	९ 9 स्कंद षष्ठी	१० 10 सप्तमी	११ 11 अष्टमी
१२ 12 नवमी	१३ 13 दशमी	१४ 14 मोक्षदा एकादशी, गीता जयंती	१५ 15 द्वादशी	१६ 16 त्रयोदशी, प्रदोष व्रत, षडशीति संक्रांति	१७ 17 चतुर्दशी (वृद्धि तिथि)	१८ 18 चतुर्दशी, पूर्णिमा
१९ 19 पूर्णिमा	२० 20 पौष कृ.प. प्रतिपदा	२१ 21 द्वितीया	२२ 22 तृतीया, संकष्ट चतुर्थी	२३ 23 चतुर्थी	२४ 24 पंचमी	२५ 25 षष्ठी
२६ 26 रविवारी सप्तमी	२७ 27 अष्टमी	२८ 28 नवमी	२९ 29 दशमी	३० 30 सफला एकादशी	३१ 31 द्वादशी/त्रयोदशी, प्रदोष व्रत	

दिसम्बर : २. संत ज्ञानेश्वरजी पुण्यतिथि ७. मंगलवारी चतुर्थी (सूर्यो. से रात्रि ११-४२) १४. गीता जयंती १६. षडशीति संक्रांति (पु.का. : सूर्यो. से दोप. १२-३४) १८. श्री दत्तात्रेय जयंती २५. तुलसी पूजन दिवस, विश्वगुरु भारत कार्यक्रम (१ जनवरी तक), क्रिसमस, पं. मालवीय जयंती २६. रविवारी सप्तमी (सूर्यो. से रात्रि ८-०९)